राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 20.00 रुपए
पागल नागराज
नागराज

इस ब्रह्मांड की सबसे जटिल रचना दुर्भाग्यवश सबसे नाजुक रचना भी है। और वह है इंसानी दिमाग। एक भावनात्मक झटका, एक हल्की सी चोट, एक छोटा-सा विषाणु या एक मामूली सा खून का थक्का इस आश्चर्यजनक रचना का संतुलन बिगाड़ सकता है और अच्छी भली सोच रखने वाले नागराज तक को सुपर हीरो नागराज से बना सकता है...

पागल नागराज

कथाः	चित्र :	इंकिंग :	सुलेख एवं रंगः	सम्पादकः
जॉली सिन्हा	अनुपम सिन्हा	विनोदकुमार	सुनील पाण्डेय	मनीष गुप्ता

लेकिन इंसानी राज में रोशनी तो हर जगह पर मौजूद है-
अगर स्ट्रीट लाइट न हो तो वाहनों की हेडलाइटें, सड़कों को जगमगाती रहती हैं-
इस सड़क पर आज अंधेरा सा लग रहा है!
स्ट्रीट लाइटें नहीं जल रही हैं शायद इसीलिए! पर तुम्हें अंधेरे से क्या डर? हमारी कार की हेडलाइटें तो सलामत हैं न?
मैं अंधेरे से डर नहीं रहा हूं! पर लुटेरे अक्सर ऐसे अंधेरे का फायदा उठाते हैं!
और किसी न किसी बहाने राहगीरों को रोककर...
...ओऽऽऽऽ
हेडलाइटें कैसे टूट गईं?
टन
टन
छन
छनाक
ओफ़! अंधेरे में कुछ नजर नहीं आ रहा है!
तो फिर ब्रेक लगाओ! कार को रोको! कहीं एक्सीडेंट न हो जाए!
फर्रर्र
कार तो अपने आप रुक गई है!
मैं एक्सीलेटर पर पैर को पूरा दबाए हुए हूं फिर भी कार आगे नहीं बढ़ रही है! कुछ गड़बड़ है!
दरवाजा खोल-कर बाहर भागो!
किसी ने कार को रोका है! पर इतनी ताकत किसमें होगी जो चलती कार को रोक ले?
कड़ाम
अरे, मुझको जानकर मरना है क्या? अभी तो वह सारा गुस्सा कार पर निकाल रहा है! कार के पैसे तो बीमा कंपनी से मिल जाएंगे! पर मैं गुजर गया तो!
तुम्हारे भी तो मिल जाएंगे जी!
वह भी डबल!
अरे चुप! चुपचाप भाग!

हाऽऽऽऽऽ ह!

अगली सुबह यह खबर पूरे शहर में चर्चा का विषय थी-

क्योंकि जिस शख्स की कार का कचूमर बना था, वह राजनगर के जिलाधिकारी का साला था-

आई वांट एन एक्सप्लेनेशन राइट नाऊ! क्या हो रहा है इस शहर में, मिस्टर कमिश्नर?

कल मेरे साले की जान जाते-जाते बची! शहर में एक खतरनाक शख्स खुला घूम रहा है, और पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है! क्यों?

हमारे पास ऐसी रिपोर्ट तीन चार दिनों से आ रही हैं, सर! अब तक हमने इनको अफवाह समझा था! लेकिन अब हम उसको पकड़ कर ही रहेंगे!

वह अंधेरे में वार करता है, उसको पकड़ने के लिए पहले अंधेरे को दूर करना पड़ेगा!

I WANT AN EXPLANATION RIGHT NOW
मुझको तुरंत इसका विस्तारपूर्वक जवाब चाहिए।

माफ कीजिएगा मेयर साहब! हम अंधेरे को स्ट्रीट लाइटें लगवा-कर दूर करते रहते हैं! अब कोई स्ट्रीट लाइटों को तोड़ तोड़कर अंधेरा करता रहे तो हम क्या करें?

नगर महापालिका के सचिव ठीक कह रहे हैं! वह शख्स जानबूझकर अंधेरा कर देता है! इसीलिए चार-पांच वारदातें करने के बाद भी हमारे पास उसका हुलिया तक नहीं है!

क्या हम शहर में ऐसी स्ट्रीट लाइटें नहीं लगा सकते जिनको तोड़ा न जा सके?

ये प्रस्ताव आपने हमको पहले क्यों नहीं दिखाया?

क्योंकि स्काई लाइटें हमारी प्रचलित स्ट्रीट लाइटों के मुकाबले में थोड़ी मंहगी है!

अरे छोड़िए खर्चे की बात! चीज अच्छी हो तो पैसे का मुंह नहीं देखना चाहिए! मैं इसके लिए पैसे सैंक्शन करूंगा! आप जल्दी से जल्दी इन लाइटों को महानगर के हर ऐसे इलाकों में लगवाएं जहां पर उस 'अंधेरे डकैत' का हमला होने की आशंका रहती है!

सारी स्काई लाइटें लगने में कम से कम एक महीने का समय लगेगा! तब तक हम 'अंधेरे-डकैत को पकड़ने के लिए क्या करेंगे?

पहली स्काई लाइट तो दो दिनों के अंदर ही लग जाएगी! बाकी भी धीरे-धीरे एक-एक करके लगती रहेंगी!

विषांक और नागराज के नए संबंधों के विषय में जानने के लिए पढ़ें : लावा एवं विनाशलीला

Amaan
और इस खबर से लोग इतने घबरा गए हैं कि पहले तो वे रातों को बाहर ही नहीं निकल रहे हैं! और अगर अपने वाहनों में कहीं जाना ही पड़ा तो वो लाईटें बंद करके वाहन चला रहे हैं! ताकि कहीं अंधेरा शैतान उन पर हमला न कर दे!
यानी लोग कुंए से बचने के चक्कर में खाई के अंदर कूद रहे हैं!
अंधेरा शैतान की अफवाह से डरकर एक्सीडेंटो में अपनी जान गंवा रहे हैं!
मुझे इस भयानक सिचुएशन को दूर करना होगा! अगर ये एक अफवाह है तब तो काम मुश्किल होगा भारती!
पर अगर 'अंधेरा शैतान' जैसी कोई चीज सचमुच में है तो उसको दूर करना मेरे लिए चुटकियों का खेल है!
ओह! आज इस अंधेरे मोड़ पर रोशनियां क्यों जगमगा रही हैं!
इस स्काई लाइट की वजह से! ये महानगर की पहली स्काई लाईट है! इसको तोड़ पाना लगभग असंभव है! उस अंधेरा शैतान से निपटने के लिए पूरे महानगर में ऐसी पचास से भी ज्यादा स्काई लाइट लगाई जाएंगी!
SKY LIGHT
ये तो बहुत अच्छा है!
लेकिन उससे पहले ही मैं महानगर पर छाए अफवाह के अंधेरे को दूर कर दूंगा!
तुम यहीं पर उतर जाओ भारती! मैं 'अंधेरा-शैतान' की तलाश में जा रहा हूं!

लेकिन, तुम उसको ढूंढोगे कैसे, नाग... मेरा मतलब... राज?
मुझे उसको ढूंढने की जरूरत नहीं है, भारती! वह खुद मुझको ढूंढ लेगा!
क्योंकि फिलहाल महानगर में रुक ही ऐसा वाहन है, जो हेडलाइट जलाकर चल रहा है!
और वह है यह कार!
नागराज को यह आभास नहीं था-
कि जल्दी ही, महानगर के अन्य कई वाहनों को भी हेडलाइटें जलाने पर मजबूर होना पड़ेगा-
क्योंकि महानगर का एक बड़ा हिस्सा जल्दी ही अंधकार में डूबने वाला था-
ओह! रोशनियां! चारों तरफ रोशनियां हैं! चुभती हैं मुझको रोशनियां! मेरे दिमाग में पटाखे फूटते हैं!
ये रोशनियां कहां से आ रही हैं! कैसे रोकूं इन रोशनियों को! बता मेरे भगवान! बचा मुझको रोशनियों की सुईयों से!
मुझको ये रोशनियों को मारने का रास्ता दिखा!
सीधे जा! उस दिशा में! वहां पर रोशनियों को पैदा करने वाला यंत्र है! उसे मार दे! रोशनियां अपने आप मर जाएंगी!
पता नहीं यह क्या था? पागल का भगवान या पागल के अपने ही दिमाग की कोई उपज-

लेकिन 'अंधेरा शैतान' को अपनी समस्या का हल पाने का रास्ता मिल गया था।
ही ही ही!
अब ये रोशनियां मुझे परेशान नहीं करेंगी!
DANGER
11000V
POWER STATION SV.
ऐ रुक जा! कहां जा रहा है! उधर जाना मना है! जाएगा तो करंट खाएगा।
ऐ रुक, रुक! तू आगे कहां बढ़ता जा रहा है?
हट जा! मारने दे मुझको रोशनियों को!
अरे! अरे! रुक जा! वर्ना गोली मार दूंगा!
आSSSS! भगवान मेरे! बचा मुझको इस मुसीबत से!
उंगलियों पर? हां हां!
ऐ! तू किससे बात कर रहा है?
घबरा मत! अपनी शक्तियों को पहचान! लोहे का ये टुकड़ा भला तुझे क्या मारेगा, जिसको तू अपनी ऊंगलियों पर नचा सकता है!

अपने भगवान से! और उसने बताया है कि मैं इन लोहे के टुकड़ों को उंगलियों पर नचा सकता हूं!
अरे! गोलियां तो हवा में मकरवी की तरह तैरकर इसकी ऊंगली के चक्कर काट रही हैं!
आओ! जहां से आई हो तुम सब!
गोलियां वापस बंदूक की नाल में घुसती चली गईं, और-
धड़ाक
आऽऽऽह!
म... मैं इसे रोक नहीं सकता! सुपरिंटेंडेंट को रिपोर्ट करना पड़ेगा!
ही ही ही! तैयार हो जाओ रोशनियों! तुम्हें मारने के लिए बावला आ गया है!
सहारे के हिलते ही हाई वोल्टेज से भरे केबल एक-दूसरे से लिपटने लगे, और चिंगारियां हवा में उड़ने लगीं-
आऽऽऽह! ये क्या रास्ता बताया, मेरे भगवान! इससे तो रोशनी और बढ़ गई?
मेरा सिर! उफ! मेरा सिर!
लेकिन ये रोशनियां और चिंगारियां तो कुछ ही समय के लिए थीं-

उसके बाद तो अंधेरे का साम्राज्य फैलना तय था-
ओफ़! ये क्या हुआ? स्ट्रीट लाइटें बंद क्यों हो गईं?
धड़ाक
इमारतों में भी अंधेरा छा गया है! अब तो कुछ भी नज़र नहीं आ रहा है!
अरे, बचो!
अब वाहनों को हेडलाइटें जलाने पर मजबूर होना पड़ रहा था-
और ये रोशनियाँ अभी-अभी राहत पाए बावला के क्रोध को ज्वालामुखी बनाने के लिए काफी थीं-
आऽऽऽह! अब और नहीं सह सकता मैं! मेरा सिर फट जाएगा!
ऐ हट रास्ते से! मरना है तो ट्रेन के आगे जाकर कूद!
अरे! इसने तो कार को रोक दिया! कहीं ये... कहीं ये... ओ गॉड!
ये तो अंधेरा शैतान लगता है!

अगर किसी के दिमाग में कोई शक था तो बावला ने उसको कुछ ही मिनटों में दूर कर दिया -
अमानवीय शक्ति और विक्षिप्त दिमाग का उसने अद्‌भुत परिचय दिया था-
पूरे ट्रैफिक को पीछे ढकेलते हुए उसने सड़क पर वाहनों का एक पहाड़ बना दिया था-
हा हा हा हा हा
कड़.ड़.ड़.ड़.
धड़ाम्म
कड़ाक
और ऐसा ही नज़ारा उस चौराहे से जुड़ रही बाकी सड़कों पर भी नजर आना था-
अंधेरे में डूबे महानगर के उस भाग का पूरा ट्रैफिक जाम हो जाना निश्चित था-

लेकिन इस पागलपन को यहीं पर रुक जाना पड़ा-
क्योंकि ताकत के इस पागल सैलाब को रोकने के लिए आ गया था नाग शक्ति से बना वह बाँध-
जिससे टकरा-टकराकर हर अपराध लहर अपना दम तोड़ देती थी-
बस! तेरे पागलपन के दिन खत्म हुए 'अंधेरा शैतान'! क्योंकि अब तुझको रोशनियाँ कभी परेशान नहीं करेंगी! मैं उम्र भर के लिए तुझको अंधेरी काल-कोठरी में कैद करके रखूंगा!
ये नागराज का वादा है! चल मेरे साथ!
अंधेरा शैतान! मेरा नाम तो बावला है! हर कोई मुझे इसी नाम से पुकारता है! तू मुझे किसी और के चक्कर में पीट रहा है, नागराज!

मैं तुझको पीटने नहीं आया हूं! मैं ऐसे किसी भी प्राणी पर हाथ नहीं उठाता जिसका दिमाग असंतुलित हो! मैं तेरी मदद करने आया हूं! तुझको रोशनियों से बचाने आया हूं!
ओह! तू पागलों पर हाथ नहीं उठाता! इसीलिए तूने मुझे लात से मारा था!
तू मारता है! तू झूठा है! तू मारता है तू झूठा है!
इसीलिए मैं भी तुझे मारूंगा!
...लेकिन उसका ऐसा उदाहरण मैंने आज तक नहीं देखा था!
इसका दिमाग ठिकाने लगाना ही पड़ेगा!
और पागलों का दिमाग, शॉक खाकर ही ठीक होता है!
पागलपन के कारण इंसानी शरीर की ताकत बढ़ जाती है, यह बात सुनी तो है...
आऽऽऽऽ
तड़ित सर्प, इसके दिमाग के पुर्जों को झटका देकर सही स्थान पर ले आओ!
आऽऽऽऽऽऽ
सांप! सांप!

तड़ित सर्प, बावला के सिर पर जा लिपटा! और-
आ sss ह!
मुझे... मुझे बचाओ, मेरे भगवान!
मैं... मैं मर रहा हूं!
तू... मरेगा... नहीं, भक्त! बल्कि... तू... मारेगा... नागराज... को मारेगा!...
...क्योंकि नागराज अंधेरे का... दुश्मन है!...
इसे खत्म कर दे... तो अंधेरा... अपने आप ही... चारों तरफ... फैल... जाएगा!
ये क्या हो रहा है! मैं अपने भगवान को ठीक से देख क्यों नहीं पा रहा हूं!
मेरा पूरा बदन थरथरा रहा है! दिमाग सुन्न हो रहा है!
ये किससे बात कर रहा है! यहां तो कोई भी नज़र नहीं आ रहा है!
ये बेहोश हो रहा है! शायद बेहोशी में डूबता इसका दिमाग इसको काल्पनिक दृश्य दिखा रहा है!
मैं अंधेरे के दुश्मन को जरूर मारूंगा, मेरे भगवान! क्योंकि अंधेरा मेरा दोस्त है! पर... पर मैं कैसे मारूंगा इस दुश्मन को? कैसे?
ले, मैं तुझको असीमित ज्ञान देता हूं! असीमित शक्तियां देता हूं! अब तुझको मुझसे संपर्क करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी! तेरा दिमाग खुद तुझको रास्ता दिखाएगा! जा... मार नागराज को!

पागल को जो ज्ञान मिला, वह भी पागलपन से भरा हुआ था-
तड़ित सर्प से पीछा छुड़ाने का आइडिया उसके दिमाग में तुरन्त उभर आया-
हां हां! ऐसे मेरा इस झटकेदार सांप से पीछा छूट जाएगा!
बावला पागलपन का सुबूत देता हुआ, अपना सिर सतह पर पैंटकता चला गया-
और हर चोट के साथ तड़ित सर्प की हड्डियां चटकती चली गईं-
धड़ाक
धाड़
जल्दी ही बावला के सिर पर कसा शिकंजा खुल चुका था-
हा हा हा! देख नागराज! बावला ने तो तेरे झटके वाले सांप को झटका दे-देकर बेहोश कर दिया!
अब बता तू क्या करेगा? फिर मैं उसी हिसाब से योजना बनाऊंगा! अब बहुत ज्यादा दिमाग आ गया है मेरे पास!
मुझे उम्मीद थी कि इसके झटके से तेरी दिमाग सुधर जाएगा! पर नहीं! अब मुझे तुझको बेहोश करने के लिए तुझपर और घातक वार करना पड़ेगा!
पागल अगर झटके खाकर भी काबू में नहीं आता है तो उसको बेहोशी का इंजेक्शन दिया जाता है। मैं तुझको तीव्र विष फुंकार की डोज दूंगा!
फ़ssssss
आsss ह! मेरी आंखों में फिर अंधेरा छा रहा है!
तू मेरे दिमाग को अंधेरे में डुबो कर मुझे मारना चाहता है!

क्योंकि तू मेरी दुश्मन रोशनियों का दोस्त है! अब मैं भी तुझे रोशनी से मारूंगा!
बावला अपने हाथों को आपस में रगड़ने लगा-
और उसके हाथ, लपटों से सुलग उठे-
और फिर वे हाथ उस द्रव के तालाब में जा डूबे, जो वाहनों से बहकर वहां पर एकत्रित हो गया था-
ये द्रव पेट्रोल था-
आग ने इस रास्ते से वाहनों के पहाड़ तक पहुंचने में जरा भी वक्त नहीं लगाया-
और फिर ये पहाड़ एक विशाल बम की तरह फट पड़ा-
आ sss ह!
ही ही ही! देखा, नागराज?
कितनी रोशनी है! और ये रोशनी तुझे हमेशा के लिए अंधेरे में डुबो देगी!
कमाल है! तू अभी भी जिन्दा है!
तुझे मरना ही होगा! वर्ना अंधेरा कभी भी रोशनी से जीत नहीं पाएगा!

कहानी 19 पेज से जारी

उम्ममम!
अरे! कहां गया नागराज? अभी- अभी तो यहीं पर था।
धड़ंकक
और अभी अभी मैं यहां पर हूं! तेरे पीछे!
तुझको शॉक दे दिया! बेहोशी की डोज दे दी! पर दोनों इलाज ही बेअसर रहे!
अब फिल्मी तरीका आजमाना पड़ेगा!
फिल्मों में सिर पर चोट लगने से याददाश्त वापस आ जाती है! शायद तेरा दिमाग भी इस इलाज से ठिकाने पर आजाए!
आ ऽऽऽ ह! आ ऽऽऽ ह!
नागराज तुम? तुम यहां पर कैसे?
और...और मैं कहां पर हूं?
मैं तो... आर्र्र्र्घ!
मैं तो अंधेरा फैला रहा था! पहले ये काम मैं रोशनियों को खत्म करके कर रहा था! पर अब मैं ये काम प्रकाश को नष्ट करके करूंगा!
सभी रोशनियों को अपने अंदर खींच लूंगा! घनघोर अंधेरा फैला दूंगा!

अगले ही पल-
अरे! जलती कारों की लपटों से निकलती रोशनी मंद होती जा रही है! अंधेरा गहराता जा रहा है!
ये किसी रहस्यमय शक्ति का प्रयोग करके प्रकाश को अपने अंदर खींच रहा है!
अब तो सर्पशक्ति से युक्त मेरी आंखें भी कुछ देख नहीं पा रही हैं!
चारों तरफ अंधेरा है! गहरा अंधेरा!
हाथ को हाथ तक सुझाई नहीं दे रहा है!
लेकिन मुझको सब दिखाई दे रहा है! या यूं कहो कि महसूस हो रहा है! अंधेरा मेरा दोस्त है!
और ये अंधेरा मुझको तुझे मौत के अंधेरे तक पहुंचाने का रास्ता एकदम साफ-साफ दिखा रहा है!

नागराज को मदद की जरूरत थी और मदद पुलिस के रूप में घटना स्थल पर पहुंच चुकी थी। लेकिन-
स्टेंशन, टीम स्लफ! महानगर के इस क्षेत्र में तो अंधकार छाया हुआ है। हम हेलीकॉप्टर से इस इलाके पर सर्चलाइट फोकस कर रहे हैं। लेकिन वह रोशनी न जाने कहां गुम हो रही है।
सेम हियर, एरियल फोर्स! यहां पर भी ऐसा ही है! हमारी हेडलाइटों की रोशनी भी अंधेरे में जाकर गुम हो रही है।
इस अंधेरे के अंदर नागराज और वह अंधेरा शैतान कहां पर हैं, यह पता करना असंभव है। अब हम ये अंधेरा छटने का सिर्फ इंतजार ही कर सकते हैं।
नागराज इस मदद का इंतजार नहीं कर सकता था-
उसको तो दुश्मन नजर नहीं आ रहा था-
उफ!
लेकिन यह मुझे देख भी सकता है और मुझ पर वार भी कर सकता है।
आऽऽह!
मुझको न तो बावला नजर आ रहा है...
...और न ही उसके द्वारा किए गए वार!
लगता है... आह... जैसे कि मेरी कोई पसली टूट गई है!
आऽऽह!
धड़क

ऐसा मेरे साथ किसी दुश्मन ने पहली बार किया है! उफ्फ़! बावला मामूली पागल नहीं लगता है! किसी आम पागल में इतनी रहस्यमय शक्तियां नहीं हो सकतीं! मुझे जल्दी ही इसकी शक्तियों की काट ढूंढनी होगी वर्ना ये मुझको मार डालेगा!
कूऽऽऽ
ही ही ही!
तू मुझे पागल समझता है, पर मुझसे बड़ा पागल तो तू है नागराज! अरे, मैं अंधेरे का हिस्सा बनकर इस अंधेरे में उड़ भी सकता हूं! किसी भी तरफ आ सकता हूं! मैं वहां पर हूं ही नहीं जहां पर तू अपनी बदबूदार सांस को छोड़ रहा है!
ले अब मैं तेरी ये सांस हमेशा के लिए बंद कर देता हूं!
विषफुंकार इसको अंधेरे में भी ढूंढ निकालेगी! और विष फुंकार सूंघते ही ये बेहोश हो जाएगा, और फिर ये अंधेरा भी छंट जाएगा!
अब तो इस पर वार करने के लिए इसको ढूंढना ही पड़ेगा।
जगमग सर्पो!
नागराज की कलाई से जगमगाते हुए सर्पों की बाढ़ सी निकलने लगी–
और अंधेरा रोशन हो गया–
लेकिन सिर्फ पलभर के लिए–
तू भूल गया नागराज कि मैं किसी भी रोशनी को अपने अंदर खींचकर सोख सकता हूं! और तेरे सांपों की रोशनी कोई अपवाद नहीं है!
उफ़! खों खों खों! मेरी सांस की नली! आह!
आऽऽऽ ह!

लेकिन तभी बाजी पलट गई-
कांटैक्ट!
अरे! तूने मुझे कैसे ढूंढ निकाला? कैसे देखा तूने मुझको?
मेरे जगमग सर्पों की रोशनी तो तूने खींचली बावला, पर उनमें से कुछ सर्प मेरे ऊपर चिपक गए हैं! और उनके द्वारा भेजे गए मानसिक सर्प संकेतों की मदद से मैं तुझको देख सकता हूं। ठीक वैसे ही जैसे कोई राडार बादलों में छिपे प्लेन को भी ढूंढ निकालता है!
नागराज का शिकंजा अंधेरे में डूबे बावला की गर्दन पर कस चुका था-
और नागराज का यह शिकंजा, बावला के बेहोश होने के बाद ही खुलना था-
आ sss ह! अंधेरा धीरे- धीरे छंट रहा है! यानी बावला की शक्ति क्षीण हो रही है! जरूर ये बेहोश होता जा रहा है!
बावला के होश कुछ ही पलों में गायब हो जाने थे-

लेकिन तभी बावला ने छूटने के लिए वही रास्ता अपनाया जो ऐसे शिकंजे में फंसे लोग अक्सर अपनाते हैं!
उसने नागराज की बांह में काट खाया-
शिकंजा तो खुल गया-
आऽऽऽर्ईईघ!
लेकिन बावला संभलने के लिए ज्यादा दूर नहीं जा पाया-
आऽऽऽऽऽह!
ओह! ये इसने क्या किया? पर मेरे विषैले शरीर में दांत गड़ाने से तो ये होना ही था!
नागराज! तुम ठीक तो हो न?
हां, भारती! बावला खत्म हो गया है! और उसके साथ ही यह रहस्य भी हमेशा के लिए दफन हो गया है कि वह आखिर था कौन?
पर ये क्या है? ये जरूर बावला के शरीर में से निकला है!
क्या मतलब? तुम्हारे अनुसार अंधेरा शैतान कोई रहस्यमयी चीज था!
हां, भारती!
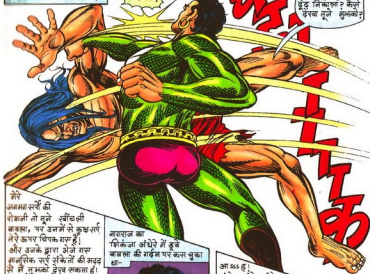
उसने जिन शक्तियों का प्रयोग किया वह कोई आम पागल तो क्या कोई सुपर विलेन तक नहीं कर सकता! अब हम यह कभी नहीं जान पाएंगे कि बावला यानी अंधेरा शैतान को वे शक्तियां मिली कहां से थीं और अंधेरा फैलाकर वह भला क्या करना चाहता था?
शायद इसीलिए तुम्हारे चेहरे पर उदासी छाई हुई है! क्योंकि तुम उसका मकसद नहीं जान सके!
नहीं भारती! कारण ये नहीं है!
मैंने कभी कोई इंसानी जान न लेने की शपथ ली हुई है! और आज वह शपथ टूट गई है! एक इंसान चाहे विक्षिप्त ही सही, पर वह मेरे हाथों से मारा गया!
गलत नागराज! तुम्हारी शपथ अभी भी बरकरार है! तुमने अभी भी किसी की जान नहीं ली है! यह एक हादसा था! एक एक्सीडेंट! सिर्फ एक्सीडेंट! और इससे ज्यादा कुछ भी नहीं!
फिर भी भारती...
ओ, कम ऑन नागराज!
चलो! अभी बहुत सा काम पड़ा है! तुम्हें राज को इस घटना के बारे में एक्सक्लूसिव इंटरव्यू देना है!
और फिर-
तुम विषांक को पटाओ नागराज! तब तक मैं फ्रेश होकर आती हूं!
पर जरा जल्दी करना! राज को अंधेरा शैतान और नागराज की भिड़ंत की एक्स-क्लूसिव रिपोर्ट ग्यारह बजे की न्यूज में सुनानी है!
और विषांक के लिए तुम जो-जो चीजें लाए हो वे भी तो उसे दिखानी हैं! वह न जाने कब से तुम्हारा इंतजार कर रहा है!
ओह! इस चक्कर में मैं विषांक को तो भूल ही गया था! अब तक तो वो नाराज हो गया होगा!
न जाने उसे मनाने में कितना वक्त लगेगा!
अगर तब तक विषांक मान गया तो ठीक है! वरना भिड़ंत की न्यूज को बारह बजे के बुलेटिन में सुनाना!
विषांक! विषांक!

विषांक! ओह, तुम यहां पर हो!
अच्छा हुआ तुम आ गए, नागराज! मैं न जाने कब से कहानियां सुना-सुनाकर इसका दिल बहला रहा हूं! पर ये तो कुछ बोलता ही नहीं!
ये मुझसे जरूर बोलेगा! बोलोगे न विषांक?
नहीं बोलोगे! नाराज हो मुझसे! क्योंकि मैं थोड़ी देर से आया!
अच्छा ये देखो! मैं नागद्वीप से तुम्हारे लिए क्या लेकर आया हूं! तुम्हारी सारी चीजें! तुम्हारे खिलौने, तुम्हारे कपड़े, तुम्हारा सीपियों का खजाना, और ये देखो! ये सबसे अनोखी चीज! महात्मा कालदूत ने तुम्हारे लिए ये तांत्रिक रत्न भेजा है! इसमें तुम जब चाहो तब अपनी दीदी को भी देख सकते हो, और उनसे बात भी कर सकते हो!
चलो! कम से कम ये देखकर तुम्हारे चेहरे पर मुस्कुराहट तो आई!
लो! तुम तो फिर से नाराज हो गए! अच्छा लो मैंने कान पकड़ लिए!
अब मैं कभी तुमको इंतजार नहीं कराऊंगा! ठीक है!

अरे वाह! तुमने मुझे माफ कर दिया!

अब मैं तुमको इसके लिए एक बढ़िया सी चीज दिखाऊंगा!

ये देखो! कार्टून मूवी!

ही ही ही!

और फिर-

और इस तरह से अंधेरा शैतान उर्फ बावला अपनी ही गलती से गलकर खत्म हो गया!

और ये पूरा वाक्या नागराज ने आपको खुद बताया! वैसे नागराज यह बातें मीडिया को खुद भी तो बता सकता था!

बता सकता था! पर नागराज अपने मुंह से ये बातें बताकर प्रशंसा का पात्र बनना नहीं चाहता!

उसके अनुसार उसका काम मानवता की रक्षा और आतंकवाद का विनाश करना है! मीडिया में इंटरव्यू देना नहीं!
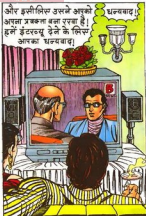
और इसीलिए उसने आपको अपना प्रवक्ता बना रखा है! हमें इंटरव्यू देने के लिए आपका धन्यवाद!
धन्यवाद!
अब हम चलते हैं! आज की दूसरी बड़ी खबर की तरफ! अंधेरा शैतान बाबला ने महानगर वासियों का जितना बुरा किया उतना ही भला भी किया। उसके कारण महानगर आज जगमगा रहा है!
अंधेरा शैतान के आतंक के कारण महानगर महापालिका ने पूरे महानगर में पचास स्काई लाइटें लगाने का फैसला किया है! अब तक बीस स्काई लाइटें फिट की जा चुकी हैं, और बाकी पर भी काम जारी है!
तुम तो बड़ी-बड़ी बातें कर रहे थे, गुरुदेव! अमेरिका से दुनिया का सबसे बड़ा पागल उठाकर लाए थे! उसको न जाने कैसी-कैसी अद्भुत शक्तियां दे डालीं! पर नतीजा क्या हुआ? बेचारे की तो अर्थी भी नहीं उठ सकी! वहीं पर गल गया अभागा!
वह गल गया, चेले! पर अपना काम कर गया है! अगर वह नागराज को वहीं मार देता तो काम जल्दी हो जाता! पर नागराज तो अभी भी मरेगा! तू बस देखता जा!

मुझको तो लगता है कि गुरुदेव का दिमाग खुद थोड़ा सा हिल गया है! एक पागल से नागराज को कटवा दिया, ये समझ बैठे कि नागराज मर जाएगा! ऐसा हो ही नहीं सकता! जो खुद मर गया वह भला नागराज को कैसे मारेगा?
पर अगर ऐसा हो जाए...
...तो मजा आ जाएगा!
बिना नागराज की दुनिया में जीने का मज़ा ही कुछ और होगा!
नागपाशा की इच्छा शायद जल्दी ही पूरी होने वाली थी-
नागराज के कारनामों की खबरों ने भारती चैनेल को नंबर वन चैनेल बना दिया है! हर कोई नागराज की खबर का इंतजार करता है!
और जब तक नागराज का प्रवक्ता राज हमारे पास है तब तक कोई भी न्यूज़ चैनेल, भारती से आगे नहीं निकल सकता!
यह तो सही है भारती! पर अब हमारे ही रिपोर्टर खुद ये सवाल पूछने लगे हैं कि नागराज सिर्फ राज को ही अपने कारनामों की खबर क्यों देता है?
अगर पूछताछ का ये सिलसिला जारी रहा तो लोगों को ये जानने में देर नहीं लगेगी कि राज ही...
... नागराज... आऽऽऽह!
राज! ये तुमको क्या हुआ राज?
पता नहीं भारती! एकाएक चक्कर सा आ गया था! चारों तरफ अंधेरा सा छा गया था!
व्हाट!
चलो, हम अभी डॉक्टर के पास चलते हैं!
इसकी कोई जरूरत नहीं है भारती! मैं अब ठीक हूं! वैसे भी मेरी जांच करना हर डॉक्टर के बस की बात नहीं है!
वैसे भी मुझको क्या हो सकता है?
उस पागल बावला ने अपने दांत तुम्हारे शरीर में गड़ाए थे! और पागलों का काटना अच्छा नहीं होता है!
ठीक है भारती! तुम्हारा शक दूर करने के लिए मैं चेकअप करा लूंगा!
लेकिन सिर्फ एक डॉक्टर से! स्नेक पार्क के डायरेक्टर डॉक्टर करुनाकरन से!

डॉक्टर करूनाकरन नागराज की जांच पहले भी कर चुके थे-

उन्होंने ही नागराज़ को उसकी नागशक्तियों का वैज्ञानिक कारण समझाया था-

न तो तुम्हारे शरीर में कोई बीमारी है नागराज और न ही तुम्हारे दिमाग के साथ कोई समस्या।

फिर मुझको चक्कर क्यों आया था, डॉक्टर?

विस्तार से जानने के लिए पढ़ें : स्नेक पार्क

नागराज के सूक्ष्म सर्प इसकी गर्दन से नीचे तक रहते हैं! इसीलिए इन कणों से धड़ में होने वाली किसी भी क्षति को वे सूक्ष्म सर्प ठीक कर देंगे!
लेकिन ये कण रक्त प्रवाह के साथ-साथ नागराज के दिमाग तक भी पहुंच रहे हैं! और वहां पर इनसे लड़ने के लिए कोई भी सूक्ष्म सर्प नहीं है!
आपके कहने का मतलब है कि ये रहस्यमय कण मेरे दिमाग पर बुरा असर डाल सकते हैं!
ऐसा हो सकता है नागराज! पर मुझे पूरा विश्वास है कि ऐसा होगा नहीं! वैसे मैं अभी इन कणों की और जांच करूंगा!
और फिर-
अब मुझे यकीन हो गया है कि बावला का महानगर में आना किसी षड्यंत्र का एक हिस्सा था!
और षड्यंत्रकारी का मकसद बावला के ज़रिए तुम्हारे शरीर में किन्हीं ऐसे रहस्यमय कणों को पहुंचाना था जो तुमको हानि पहुंचाए!
टेक इट इज़ी भारती! अगर ऐसा कोई षड्यंत्र है भी तो वह भी कभी सफल नहीं होगा!
मुझको फिलहाल अपनी नहीं बल्कि विषांक की चिन्ता है!
"शहर उसके लिए एकदम नया अनुभव है! न जाने वह वेदाचार्य धाम में दूसरे बच्चों के साथ एडजस्ट हो पाया होगा या नहीं-"
बच्चो, ये तुम्हारा नया सहपाठी है विषांक! आज से ये इसी कक्षा में पढ़ेगा! जाओ विषांक अपनी सीट पर बैठ जाओ!
इसके बाल इतने लंबे क्यों हैं! इसका मुंडन नहीं हुआ क्या?
नहीं हुआ तो हम कर देंगे!

आओ विषांक! यहाँ बैठो!
तुमने सिर पर क्या पहना हुआ है?
हाँ तो बच्चो, हम शरीर के अंदरूनी अंगों की चर्चा कर रहे थे! और इन अंगों में सबसे महत्त्वपूर्ण अंग है मस्तिष्क यानी दिमाग!
अरे वाह! ये तो ठीक हमारे आगे आकर बैठ गया है! हमारा काम काफी आसान हो गया है!
तो मुंडन कीरस्म शुरू की जाए!
कैंची निकाल!
काट दे इसकी लटें!
अरे! अरे! यह क्या हो रहा है!
इसके बाल तो अपने-आप हिल रहे हैं!
ये कैंची को छीन रहे हैं!
और... और... हमारे हाथों को जकड़ रहे हैं!
बचाओ!
क्या हुआ? चिल्ला क्यों रहे हो?
हमारे हाथ, सर! इसके बालों ने हमारे हाथों को पकड़ लिया है!
हमको बचाइए सर! अब हम इसके बाल कभी नहीं काटेंगे!
व्हाट!
यानी तुम लोग विषांक के बाल काट रहे थे!
क्लास के बाद मुझसे स्टाफरूम में आकर मिलो!
आप हमको पहले छुड़ाइए तभी तो हम आ पाएँगे न!

कहानी 35 पेज से जारी

और फिर-
हम अपनी गलती मानते हैं सर! और सजा के लिए तैयार भी हैं, पर वह लड़का ठीक नहीं है!
ठीक नहीं है का क्या मतलब है?
नहीं सर! हमारे हाथों को बालों ने फंसाया था। वे अपने आप नहीं फंसे थे!
बातें मत बनाओ! ऐसी कहानियां सुनाकर तुम सजा से नहीं बच सकते!
वह जादू जानता है सर! उसके बालों ने अपने आप हिलकर हमारे हाथ पकड़ लिए थे!
व्हाट नानसेंस जतिन!
तुम्हारे हाथ हड़बड़ी में उसके बाल में फंस गए होंगे!
अब से एक हफ्ते तक तुम दोनों पाठशाला के किचन में सब्जियां काटोगे! दो घंटे पाठशाला शुरू होने से पहले और दो घंटे पाठशाला खत्म होने के बाद!
ओ.के. सर! पर वह विषांक जरूर...
जाने दीजिए!
जतिन-ललित तो चले गए पर शिक्षक के दिमाग में कई सवालों को पैदा कर गए-
क्या ऐसा हो सकता है? मुझे वेदाचार्य जी को यह बात बतानी चाहिए!
जो मुझको लड़कों ने बताया वही बता रहा हूं महोदय! वे लड़के शैतान जरूर हैं, पर उन्होंने झूठ कभी नहीं बोला है!
ये आप क्या कह रहे हैं देवा जी?
अगर ऐसा है तो आप विषांक का ध्यान रखिए! और अगर आपको भी ऐसा कुछ दिखे तो मुझे जरूर बताइए!
और हां! उसकी जुबान खुलवाने की कोशिश जरूर कीजिए! वर्ना वह दूसरे बच्चों के साथ कभी हिल-मिल नहीं पाएगा!

विषांक के साथ-साथ नागराज के लिए भी समस्याओं का एक नया दौर शुरू होने वाला था-
अब तुमको बहुत संभलकर रहना होगा नागराज! यह तो स्पष्ट है कि अंधेरा शैतान किसी खतरनाक प्लान का एक हिस्सा था! वह तुमको मारने में नाकाम रहा! इसीलिए उसको भेजने वाला ज्यादा देर तक चुप नहीं बैठेगा!
वह अपना दूसरा हमला जल्दी ही करेगा!
इसमें नई बात क्या है भारती? ऐसा तो कई सालों से होता आ रहा है!
ट्रिंग...ट्रिंग
नई बात तुम्हारे शरीर में रक्त के साथ दौड़ रहे वे कण हैं जो तुम्हारे दिमाग पर बुरा असर डाल रहे हैं!
इस बार दुश्मन जब तुम पर वार करेगा तब शायद तुम्हारा दिमाग तुम्हारा साथ न दे!
यस?
मैं खोसला मैडम! आपसे एकाउंट्स पर सिग्नेचर कराने थे!
कम इन!
सॉरी टू डिस्टर्ब, मैडम! पर ये रिपोर्ट ऑडिट के लिए आज ही जानी है!
काम के लिए आप मुझे जब चाहे तब डिस्टर्ब कर सकते हैं मिस्टर खोसला, लाइए!
जो राज के रूप में नागराज की आँखें देख रही थीं-
हे देव कालजयी! ये खोसला नहीं है! उसके रूप में कोई शैतान है जो नागराज की दोस्त भारती पर हमला करना चाहता है!
भारती की आँखें वह नहीं देख पा रही थीं-
और इसके हाथों में कोई बैलेंस शीट नहीं, बल्कि दांतेदार आरी है!
पर ये नहीं जानता कि इसको रोकने के लिए नागराज यहीं पर मौजूद है!

...राज के रूप में!
रुक जा शैतान! तू मुझे धोखा नहीं दे सकता!
दूर हट भारती से!
ये... ये क्या कर रहे हो ना... राज?
तुम देख नहीं पा रही हो भारती!
पर मैं सब-कुछ साफ-साफ देख रहा हूं! ये एक शैतान है जिसको रवोसला का रूप देकर तुम्हें मारने के लिए भेजा गया है!
आक्! क्या कर रहे हो? छोड़ो मुझे!
छोड़ दूंगा! पहले बता कि तुझे यहां पर किसने भेजा है?
एकाउंट ऑफीसर ने सर! रिपोर्ट पर साइन कराने के लिए!
होश में आओ राज! ये क्या हो गया है तुम्हें?
तड़ाक
झूठ! सच बोल वर्ना तू मार खाता ही रहेगा! खाता ही रहेगा!
आह्ह!
आई एम सॉरी मिस्टर रवोसला! राज की तबियत कुछ ठीक नहीं लग रही है! अभी आप जाइए!

मुझे तो लग रहा है कि मिस्टर राज पागल हो गए हैं! बिना बात ही मुझ पर टूट पड़े।
ये क्या हरकत थी राज? तुमने ऐसा क्यों किया?
पता नहीं भारती! पहले मुझको खोसला के रूप में एक शैतान नजर आया! उसका कंप्यूटर प्रिंट आउट मुझको आरी जैसा दिख रहा था!
फिर तुम्हारा थप्पड़ खाने के बाद सब पहले जैसा नजर आने लगा!
थप्पड़ के लिए सॉरी, राज! पर तुमको होश में लाने के लिए यह करना जरूरी था!
अब तो मुझे तुम्हारी चिन्ता हो रही है! कहीं ये कण तुम्हारे दिमाग को नुकसान तो नहीं पहुंचा रहे हैं!
चलो! तुरंत डॉक्टर करुणाकरन के पास चलते हैं!
एक मिनट भारती! तुम जाकर खोसला पर नजर रखो! हो सकता है कि यह मेरी नजरों का धोखा न हो! खोसला सही में...
ओ कम ऑन, राज! संभालो अपने आपको! और हां! ऐसे राज के रूप में लड़ोगे तो अपना भेद खोल दोगे! इस बात का भी ध्यान रखना!
ओह!
अब क्या हुआ?
मुझको जासूस सर्प के संकेत मिल रहे हैं! मुझे जाना होगा भारती!
नहीं, राज! पहले हम डॉक्टर करुणाकरन के पास चलेंगे! उससे पहले चाहे कुछ भी हो जाए तुम कहीं नहीं जाओगे!
सॉरी, भारती! मैं अभी आता हूं!
अपनी जान बचाने के लिए मैं दूसरी जानों को खतरे में नहीं डाल सकता!
पहले मैं मानवता पर मंडराते खतरे को दूर करूंगा! फिर अपने पर मंडराते खतरे को!

वैसे मुझको पूरा यकीन है कि महानगर पर छाए खतरे का संबंध मुझ पर मंडरा रहे खतरे से है! शायद वहां पर मुझको अपने शरीर में मौजूद रहस्यमय कणों को नष्ट करने का तरीका मिल जाए!
चिन्ता मत करना, भारती! मैं राज के लिए एक और एक्सक्लूसिव रिपोर्ट लेकर जल्दी ही वापस आऊंगा!
नागराज को भारती की सलाह पर ध्यान देना चाहिए था-
क्योंकि वह सचमुच इस हालत में नहीं था कि किसी खतरे से भिड़ सके-
आऽऽऽह! मेरा सिर!
और-
आऽऽऽऽ
नागराज पर जो भी मुसीबत आई थी-
वह जल्दी ही टल गई-
अह! पता नहीं यह क्या था! पर अब मेरा सिर चकराना बंद हो चुका है!
इससे पहले कि मुझ पर दूसरा ऐसा एटैक हो मुझे वहां पहुंच जाना चाहिए जहां पर खतरा मंडरा रहा है!
नागरस्सी, नागराज के हाथों से छूटती चली गई-

नागराज जल्दी ही वहां पर पहुंच गया था जहां से जासूस सर्प खतरे के सिग्नल भेज रहा था-
और यह स्थान था, महानगर यूनिवर्सिटी कैम्पस में स्थित साइंस रिसर्च फैकल्टी-
हटो! पीछे हटो!
क्या हो रहा है यहां पर?
लो! पुलिस भी आ गई!
ओ नागराज! थैंक गॉड तुम यहां पर आ गए? कुछ बदमाशों ने इस फैकल्टी के अंदर दर्जनों छात्रों को बंधक बना लिया है!
वे देश की अलग-अलग जेलों में बंद कुछ आतंकवादियों को छोड़ने की बात कह रहे थे! हमने पुलिस को खबर कर दी है!
हमको आतंकवादियों की मांगे मिल चुकी हैं नागराज!
वे महानगर की जेल में बंद कुछ आतंकवादियों को छोड़ने की शर्त रख रहे हैं!
और हमको आधे घंटे का वक्त दिया है! उसके बाद वे हर मिनट में एक छात्र को मारकर बाहर फेंक देंगे!
बंधक बनाने वाले किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं हैं!
ऐसे कीड़ों से बात करने की जरूरत है भी नहीं!
जब तक इस धरती पर नागराज है तब तक आतंकवाद की फसल हमेशा बढ़ने से पहले ही काट दी जाएगी! मेरा इंतजार करना!

कुछ ही पलों में-
वे रहे दो आतंकवादी! ये संट्रेंस की पहरेदारी कर रहे हैं। सबसे पहले इनको रास्ते से हटाना होगा!
छात्र जरूर इसी के अंदर होंगे!
AUDITORIUM
एक-एक करके अपहरणकर्ता-
कम होते जा रहे थे-
मुझे उम्मीद नहीं थी कि इतनी आसानी से काम हो जाएगा!
ये तीसरा भी गया!

ये रहे बंधक छात्र! और इनके पास तक छिपकर पहुंचने का कोई रास्ता नहीं है!
नंबर वन! हमको अल्टीमेटम दिए हुए आधा घंटा हो चुका है! अब क्या करें?
जैसा ऑर्डर मिला है, वैसा ही करो!
एक स्टूडेंट को छांटो और उसे गोली मार दो!
और हां! लाश बाहर फेंकना मत भूलना!
नहीं! नहीं! मुझे छोड़ दो! मुझे मत मारो! मत मारो!
सब लोग इधर देखो! अगर पुलिस ने हमारी मांगें जल्दी ही नहीं मानी तो तुम्हारा भविष्य भी यही होगा!
अंधकारमयssss
अब तुम्हारा भविष्य अंधकार मय है!
नागराज!
थैंक गॉड कि हम महानगर में रहते हैं!
तुम सब उधर से बाहर जाओ! पर एक मिनट! इस नंबर वन ने आदेश मिलने की बात कही थी! क्या यहां पर इनके अलावा और अपहरण-कर्ता भी हैं?
नहीं, नागराज! और तो कोई नहीं है!
लोग कहते हैं कि जो दिखता है वह होता नहीं है!
गलत!

☻ सी थ्रू और नागराज की मुठभेड़ के बारे में जानने के लिए पढ़ें : इच्छाधारी

पर तुझ पर मेरी जड़ ऊर्जा का असर क्यों नहीं हुआ नागराज ?
क्योंकि तुझे भी शक्तियां उसी इच्छाधारी शक्ति से मिल रही हैं जो मेरे अंदर भी हैं!
और अब मैं तुझसे ये यंत्र छीनकर तुझको हमेशा के लिए जड़ करने जा रहा हूं!
ये यंत्र नहीं है, एक बम है नागराज! एक किस्म का न्यूट्रॉन बम! और इसको खोलने या तोड़ने की कोशिश करोगे तो ये समय से पहले ही फट जाएगा!
वैसे भी इसमें लगी घड़ी को देखो! इस बम को पहले ही एक्टीवेट किया जा चुका है!
ओ गॉड! सिर्फ एक मिनट बचा है इसको फटने में!
और इस एक मिनट में मैं तुझे ये बता दूं कि ये काम महानगर में ही करने के पीछे मेरा मुख्य मकसद तुम्हारे शरीर को चुराना था!
महानगर में कोई हादसा करो तो नागराज जरूर आएगा! और अब जबकि तू आ गया है तो तू इन सबके साथ अपना शरीर भी मुझको देकर जाएगा!
दूसरी दुनिया में!
लो! मेरी बात तो पचास सेकंड में ही खत्म हो गई! अब दस सेकंड तक हम क्या करेंगे?
दस सेकंड तक तू देखेगा और मैं देश के भविष्य यानी इन छात्रों को इस बम से बचाऊंगा!
नागराज की कलाइयों से बेशुमार सर्प बाहर निकलकर-
एक सर्प गोले का निर्माण करने लगे-
जो सी थ्रू को न्यूट्रॉन बम के साथ-साथ अपनी गिरफ्त में लेता चला गया-
और साथ ही दस सेकंड भी पूरे हो गए-
मेरा सोचना सही निकला! सर्प गोले ने किरणों को रोककर उन्हें छात्रों तक पहुंचने नहीं दिया!
और इस धमाके ने सी थ्रू के अदृश्य कणों को भी हवा में बिखेर दिया होगा!
खत्म हो गया सी थ्रू का आतंक!

Amaan
और साथ ही साथ जड़ हुए सभी छात्र भी सामान्य हो गए हैं!
लेकिन वह टलकर कहीं दूर नहीं गया था-
बल्कि अब वह खतरा नागराज के ऊपर मंडरा रहा था-
यह तूने क्या कर डाला नागराज?
जाओ, और बाहर जाकर पुलिस को खबर कर दो कि वे अपहरणकर्ताओं को अपनी गिरफ्त में ले लें!
छात्रों पर मंडरा रहा खतरा टल तो गया था-
मुझको मानवों को विखंडित करके महामानव शरीर प्राप्त करना था! पर तेरे कारण न्यूट्रॉन बम ने नागों को विखंडित कर डाला! और मुझको मिला महासर्प का शरीर!
ओह! सी थ्रू तो और खतरनाक हो गया है!
हां, नागराज! तूने मुझको वह शरीर दिला दिया है जिससे मैं हमेशा घृणा करता आया हूं!
तुझे इसका दंड मिलेगा! अब मैं तेरे शरीर को विखंडित करके मानव का शरीर प्राप्त करूंगा...

यह जैसा कह रहा है वैसा ये कर भी सकता है! क्योंकि अब इसके पास नागशक्तियों के अलावा इसकी अपनी शक्ति भी है! ऊर्जा को नियंत्रित करने वाली शक्ति!
मुझे इसको जल्दी से जल्दी अपने काबू में करना होगा!
मुझ पर वार करने से कोई फायदा नहीं है नागराज!
क्योंकि अब मैं महासर्प बन चुका हूं! और मेरा विष शायद तेरे विष से भी ज्यादा तीव्र और खतरनाक है!
देखा! तू लड़खड़ा गया न नागराज! अब मैं अपने आग उगलते फन से वार करूंगा और तेरे शरीर को धूम्रकणों में बदलकर उन कणों से अपने नए शरीर की रचना करूंगा!
सपने देखना छोड़ दे सीथ्रू! मैं इच्छाधारी कणों में बदलकर आग से आराम से बच सकता हूं!
आऽऽऽह! इसकी विषफुंकार में तो आंधी जैसी ताकत है!
और इतनी तीव्रता है जो मेरा दिमाग तक चकरा दे!
और अब लड़खड़ाने की बारी तेरी है सीथ्रू!

बेकार कोशिशें मत कर नागराज! कुछ भी कर ले, पर अब तेरा धुआं बनना तय है!
तेरे पास ऐसी कोई शक्ति नहीं है जो मुझे विखंडित कर सके!
पहली बार तूने मेरी इच्छाशक्ति को खींचकर मुझे विवश किया था! पर उस वक्त तू ऐसा इसलिए कर पाया था क्योंकि तब तेरे पास शरीर नहीं था! अब तू ऐसा नहीं कर सकता! क्योंकि तेरे पास शरीर है!
अच्छा याद दिलाया! तब इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग मैंने अपने शरीर को बनाने के लिए किया था! अब मैं उसी इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग तेरे शरीर को तोड़ने के लिए करूंगा!
लेकिन ऐसा करने के लिए तेरे पास इच्छाधारी शक्ति तो है ही नहीं सी थ्रू!
है! ढेर सारी है! हर नाग के अंदर इच्छाधारी शक्ति होती है! पर वह सौ साल की उम्र के बाद जाग्रत होती है! मैं अपने शरीर को हर नाग की सुप्त इच्छाशक्ति को जाग्रत कर दूंगा!
और फिर उस इच्छाशक्ति से तेरे दिमाग में स्थित इच्छाशक्ति के केन्द्र पर वार करूंगा! और तेरा शरीर इच्छाधारी कणों में बिखर कर हमेशा के लिए मेरा हो जाएगा!
आऽऽऽऽ ह
मेरे सिर में तेज दर्द हो रहा है! मेरी इच्छाधारी शक्ति का केन्द्र तहस-नहस हो रहा है! मैं अपने शरीर को संभाल नहीं पा रहा हूं!
अब तेरा अंत निकट है नागराज! पर घबरा मत! तू मरेगा नहीं! तू मेरे रूप में जिएगा!
सी थ्रू बन कर जिएगा! सी थ्रू अपने शरीर में तुझको खींच लेगा!
आहह!
धन्यवाद सी थ्रू!

धन्यवाद कैसा नागराज! तेरा शरीर खींचकर मैं तुझ पर कोई एहसान थोड़े ही कर रहा हूं!
मैं तुझको धन्यवाद इसलिए दे रहा हूं क्योंकि तूने मुझको अपने आपको खत्म करने का रास्ता बता दिया है!
कैसा रास्ता नागराज?
लगता है तेरा दिमाग भी अब खराब हो रहा है!
तूने अपने शरीर के नागों को इच्छाधारी नाग बना दिया है सी थ्रू!
और मेरे पास वह 'आदेश-शक्ति' है जिसका प्रयोग करने पर कोई भी इच्छाधारी नाग मेरे शरीर में वास करने पर विवश हो जाता है!
घबरा मत, सी थ्रू! मैं भी तेरी जान नहीं ले रहा हूं!
अब तू मेरे शरीर के नागों के साथ रहेगा! और ये एक ऐसी कैद होगी जिससे तू कभी छुटकारा नहीं पाएगा!
आऽऽऽह! मेरा नागरूपी शरीर तेरे अंदर खिंच रहा है!
नहीं!
लेकिन इस दौरान उसकी बीमारी भी बढ़ चुकी थी-
आऽऽऽह! फिरसे सिर में तेज दर्द हो रहा है!
नागराज की आंखों के आगे अंधेरा छाता चला गया-
नागराज का मिशन पूरा हो चुका था-
नागराज जिन्दाबाद!
मैं... मैं नीचे गिर रहा हूं!
और वे बंद होती चली गईं-

पता नहीं कितनी देर बाद-

आऽऽऽह! क्या हुआ था मुझे? मैं कहां पर हूं?
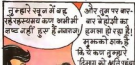
तुम डॉक्टर करुनाकरन के स्नेक हॉस्पिटल में हो नागराज! तुम्हें कुछ लोगों ने बेहोश होकर नीचे गिरता हुआ देखा और पुलिस को फोन कर दिया! वहां से यह खबर हमारे रिपोर्टर को मिली और फिर मुझे!

उसके बाद हम तुमको वहां से उठाकर यहां पर ले आए! जहां पर तुमको बहुत पहले आना चाहिए था!

मैं कह रही थी न कि...

हा हा हा, भारती! घबराने की जरूरत नहीं है! मैंने सारे टेस्ट दुबारा चेक कर लिए हैं!

मुझको हुआ क्या है डॉक्टर?

गड़बड़ शुरू हो चुकी थी-

और इस तरह से नागराज ने छात्रों को भी बचाया और सी थ्रू जैसे खतरनाक शैतान को अपने शरीर में कैदी बनाकर उसका खात्मा कर दिया!

और ये वाक्या आपको नागराज ने खुद बताया?

बेशक!

ये... ये क्या बक रहा है! मैं यूनिवर्सिटी की साइंस फैकल्टी का डीन हूं और मैं सारा दिन यहीं फैकल्टी में बैठा था! ऐसा तो कुछ हुआ ही नहीं! मैं अभी भारती न्यूज चैनेल में फोन करता हूं!

भारती न्यूज चैनेल के ऑफिस में हड़कंप मचा हुआ था-
हां, यस! मैं भारती न्यूज चैनेल की सी ई ओ भारती बोल रही हूं! बोलिए इंस्पेक्टर!
मैडम, वह यूनिवर्सिटी साइंस फैकल्टी वाला एरिया हमारे थाने के अंडर में आता है! वहां पर न तो ऐसा कोई हादसा हुआ और न ही हमारे यहां से कोई ऑफीसर वहां पर गया था!
मैडम! साइंस फैकल्टी के डीन का फोन है! वे भी हमारी न्यूज को सफेद झूठ बता रहे हैं!
ओ.के.! ओ.के.! नाऊ यू गो!
ये सब क्या है, राज? चारों तरफ हमारे चैनेल की थू-थू हो रही है!
पर ऐसा हुआ है, भारती! कुछ समझ में नहीं आ रहा है कि लोग इस घटना को झूठा क्यों बता रहे हैं?
कहीं डॉक्टर करुनाकरन की बात में कुछ सच्चाई तो नहीं है!
कहीं तुम...
ओ नो भारती! तुम खुद देख लो! क्या मैं तुमको पागल नजर आ रहा हूं?
मैं अपनी बात नहीं कह रही हूं राज! हमारे अलावा हर दूसरे न्यूज चैनेल पर हमको झूठा और नागराज को पागल बताया जा रहा है!
फिर तो न्यूज चैनेल की रेपुटेशन बचाने का सिर्फ एक ही रास्ता है! राज को झूठी न्यूज देने का इल्जाम अपने सिर पर लेना होगा!
मुझे इस्तीफा देना होगा, भारती! ताकि भारती चैनेल भी बचा रहे!
और नागराज भी!

नागराज के आधिकारिक प्रवक्ता के इस्तीफे की खबर एक बड़ी सनसनी थी-
क्या ये सच है कि आपने इस्तीफा दिया है मिस्टर राज!
क्या इसका मतलब ये निकाला जाए कि आप ये मानते हैं कि आपने झूठ बोला?
पर आपने झूठ क्यों बोला? क्या कारण है इसके पीछे?
क्या इससे पहले भी आप झूठी कहानियां सुना-सुनाकर अपने चैनेल को पॉपुलर करते रहे हैं!
अगर आपने झूठ बोला है तो नागराज सच बताने के लिए खुद सामने क्यों नहीं आ रहा है?
आप लोगों के हर सवाल का मेरे पास एक ही जवाब है!
नो कमेंट्स!
सच्चाई धीरे-धीरे उभरकर सतह पर आती जा रही थी-
मैंने न्यूज सुन ली है, भारती! और उसको सुनने के बाद मैं एक नतीजे पर पहुंच चुका हूं!
के... कैसा नतीजा डॉक्टर?
अभी मेरी जांच अधूरी है भारती! लेकिन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर मैं एक बात कह सकता हूं!
नागराज के दिमाग पर रहस्यमय कणों का असर होना शुरू हो गया है! उसका दिमाग क्षतिग्रस्त होने लगा है! सीधे सपाट शब्दों में कहा जाए तो...
नागराज के पागल होने की शुरुआत हो चुकी है!

इसी वक्त-
और हमारे सूत्रों से हमको पता चला है कि नागराज पागल हो चुका है! भारती चैनेल के मिस्टर राज झूठी कहानी का इल्जाम अपने सिर पर लेकर नागराज को बचाना चाहते हैं!
क्या... क्या ये सच बोल रहा है?
एकदम सच! सौ फीसदी सच! खालिस सच! देखा तूने अपने गुरुदेव का कमाल! अब नागराज सुपर हीरो से पागल जीरो बन जाएगा! जो जनता नागराज को पूजती थी अब उसको पत्थर मारेगी! उस पर थूकेगी! डरकर उससे दूर भागेगी!
पागल नागराज! वाह!
या हूssss कमाल कर दिया गुरू! धमाल कर दिया!
और इस तरह से खत्म हो जाएगा, नागराज! पागल खाने में अपने बाकी बचे दिन बिताएगा! और या फिर आत्महत्या करके खुद ही मर जाएगा!
और उसकी इस बीमारी को कोई दूर नहीं कर सकता, कोई भी नहीं!
क्या सचमुच यही है नागराज का भविष्य?
क्या फिर से अपनी प्यारी जनता का विश्वास हासिल कर पाएगा नागराज?
या फिर नागराज के बचे हुए दिन पागलखाने की अंधेरी कोठरी में बीतेंगे?
जानने के लिए इंतजार कीजिए
मसीहा
का

क्रमशः